2030 तक बेंगलुरु की तरह चमकेगा पटना

पटना | वरीय संवाददाता

2030 तक राजधानी की सूरत बदल जाएगी। हैदराबाद व बेंगलुरु की तरह होगी चकाचक व्यवस्था। शहर के कोने-कोने में फूलों की क्यारियां नजर आएंगी। शाम ढलते ही पूरा शहर रंगबिरंगी रोशनी में नहा जाएगा। शहर की मनोरम छटा किसी हिल स्टेशन की तरह दिखेगी।

राजधानी की सूरत बदलने के लिए सिटी डेवलपमेंट प्लान तैयार है। 2030 तक सीवरेज, ड्रेनेज, पेयजल, बिजली, स्कूल और सड़क पर रोशनी समेत तमाम तरह की बुनियादी सुविधाएं शहरवासियों को उपलब्ध हो जाएंगी। अगले 20 वर्षों में शहर की जरूरत के हिसाब से प्लान तैयार किया गया है। शहर में वर्तमान सभी बुनियादी कमियां भी दूर हो जाएंगी। बुनियादी व्यवस्थाओं को ठीक करने पर 5510.66 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

5510 करोड़ रुपए होंगे खर्च

पटना की खूबियां

- राज्य की राजधानी
- रेल, सड़क और वायु मार्ग की अच्छी कनेक्टिविटी
- चिकित्सा, स्वास्थ्य सुविधाएं और शैक्षिक संस्थान
- अनौपचारिक क्षेत्र में मार्केटिंग की वृद्धि
- श्रमशक्ति की उपलब्धता
- कृषि आधारित उद्योगों की वृद्धि और शिक्षा हब बनने की क्षमता
- नगर निगम के साथ भूमि की उपलब्धता
- एक महानगरीय शहर बनने की क्षमता

विकास पर होगा खर्च

सीवरेज	788.61 करोड़
ड्रेनेज	461.76 करोड़
ट्रैफिक और ट्रांसपोर्टेशन	3218.50 करोड़
इनवायरमेंट	282.22 करोड़
सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर	460.24 करोड़
पर्यटन	240.26 करोड़
इंस्टीट्यूशनल सेटअप	42.47 करोड़
आर्थिक विकास	16.60 करोड़

28 शहरों का डेवलपमेंट प्लान मंजूर

पेज-02

ऐसे होंगे विकास कार्य

- पुराने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का आधुनिकीकरण, बनाए जाएंगे दो नए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट
- पूरे शहर में नई सीवरेज सिस्टम, आबादी के हिसाब से ड्रेनेज लाइन
- गंगा के किनारे पीएमसीएच से दानापुर तक फोरलेन सड़क, मोनो रेल की व्यवस्था
- पुरानी सड़कों का विकास, जमीन के नीचे रहेंगे बिजली के तार
- हर 30 मीटर पर स्ट्रीट लाइट, पर्यटकों के लिए दो नए थाने, वेडिंग जोन का निर्माण
- सब्जी मार्केट का निर्माण, साप्ताहिक बाजार का प्रबंध, सड़क के किनारे हरी पट्टी